_{हिन्दी विभाग} DEPARTMENT OF HINDI पीएच.डी. हिन्दी पाठ्यक्रम Ph.D. Hindi — Syllabus

तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय CENTRAL UNIVERSITY OF TAMIL NADU हिन्दी विभाग

DEPARTMENT OF HINDI

पीएच.डी. हिन्दी पाठ्यक्रम / Ph.D. Hindi – Syllabus

Semester - 1

SI.NO	Course Code	Course Details	Marks	Credit
1.	HIN 601	शोध प्रविधि और सिद्धांत	40/60	4
		Research Methodology		
2.	HIN 602	आलोचना की विविध दृष्टियाँ और उपागम	40/60	4
		Various Views and Approaches to		
		Criticism		
3.	HIN 603	मध्यकालीन साहित्य और चिंतन	40/60	4
		Medieval Literature and Philosophy		
4.	HIN 604	आधुनिक साहित्य और चिन्तन	40/60	4
		Modern Literature and Philosophy		
5.	HIN 605	वृहद क्षेत्र शोध	40/60	4
		Broad Area of Research		
The scholar has to choose any one of the courses HIN 603 and				16
HIN 604				

पत्र – एक शोध प्रविधि और सिद्धांत

Research Methodology

Course Code, HIN - 601

- 1. शोध: अर्थ, परिभाषा, स्वरुप और प्रयोजन
- 2. शोध, अनुसंधान, गवेषणा, सर्वेक्षण
- 3. अनुसंधान में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और कल्पना
- 4. अनुसंधान के तथ्य और सत्य
- 5. साहित्यिक अनुसंधान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान में साम्य और वैषम्य
- 6. अनुसंधान और आलोचना : साम्य और वैषम्य
- 7. अनुसंधान की प्रक्रिया
 - क. विषय-चयन
 - ख. शोध प्रबंध की रुप रेखा
 - ग. सामग्री संकलन, परीक्षण तथा वर्गीकरण, विश्लेषण-विवेचन एवं निष्कर्ष (प्रस्तुतीकरण)
- 8. अनुसंधान एवं निर्देशक की पात्रता उत्तरदायित्व
- 9. अनुसंधान के प्रकार
 - क. तुलनात्मक अनुसंधान
 - ख. भाषावैज्ञानिक अनुसंधान
 - ग. लोकतात्विक अनुसंधान
 - **घ.** पाठालोचन

ग्रंथ - सूची

पत्र - दो

आलोचना प्रविधि – साहित्य अध्ययन की विविध आलोचनात्मक दृष्टियाँ Various Views and Approaches to Criticism

Course Code, HIN - 602

- 1. आलोचना परिभाषा, स्वरुप और क्षेत्र
- 2. साहित्य और आलोचना
- 3. आलोचना की बाह्य एवं आंतरिक दृष्टियाँ
- 4. आलोचना की प्रमुख दृष्टियाँ:
 - क. रसवादी साधारणीकरण की दृष्टि से

रस निष्पत्ति की दृष्टि से

रस- दोष की दृष्टि से

सूर का पद – '**मधुबन तुम कत रहत हरे'** की रसवादी आलोचना

ख. ऐतिहासिक आलोचना दृष्टि:

इतिहास और रचना का संबंध

रचना काल और रचना में व्यक्त काल

(तेन के संदर्भ में) परिवेश

'कफन' – की ऐतिहासिक आलोचना

ग. समाजशात्रीय आलोचना दृष्टि:

समाज और साहित्य का अन्तःसंबंध

समाज, वर्ग भेद और साहित्य

साहित्य का समाजशास्त्र

'अकाल और उसके बाद' – कविता की समाजशास्त्रीय आलोचना

घ. मार्क्सवादी आलोचना दृष्टि:

द्वंद्वात्मक भौतिकवाद

वर्गभेद

वर्ग-संघर्ष

'गोदान' की मार्क्सवादी आलोचना

च. मनोविश्लेषणवादी आलोचना दृष्टि:

पाठक का मनोविज्ञान

लेखक का मनोविज्ञान

पात्रों का मनोविज्ञान

'पाजेब' कहानी की मनोवैज्ञानिक आलोचना

छ . रुपवादी आलोचना दृष्टि :

रुप और नस्तु – प्रमुख विचार रुप और वस्तु का अन्तःसंबंध रुपवादी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास रुपवादी आलोचना का पाठगत स्वरुप 'अनागत' कविता की रुपनादी आलोचना

ज. मिथकीय आलोचना दृष्टि:

मिथक का इतिहास मानव सभ्यता और मिथक की रचना मिथक और साहित्य मिथकीय आलोचना की प्रक्रिया 'अंधायुग' काव्यनाटक की मिथकीय आलोचना

झ. सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना - दृष्टि :

सौंदर्य और उदात्त का संबंध सौंदर्य और साधक तत्व : शैली और अप्रस्तुत सौंदर्यबोध और भाषा पंत की कवीता 'उच्छवास' की सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना

ट. शैलीवैज्ञानिक आलोचना दृष्टि:

सामान्य भाषा और साहित्यिक भाषा शैली विज्ञान की आलोचना दृष्टि शैलीविज्ञान का इतिहास 'तोड़ती पत्थर' कविता की शैलीवैज्ञानिक आलोचना

संदर्भ ग्रंथ:

Various approaches of literature – David Daiches
Five approaches to literature – Ulber Scott
Introduction to Research – T. Hallway
The strategy of Research – Slogeorge P. Thompson
The Art of Scientific Research – W.I.B. Beralidge
How to find them a guide to Research – W.A. Bagle
Nature of Scientific Revolution – Thomas Kuhn
The Scholar Critic – F.W. Batesaw
मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना - पांडेय शशिभूषण, "शीतांशु" राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ - सं. उदयभान सिंह, हरभजन सिंह, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अनुसंधान का स्वरुप - सं. डॉ. श्रीमती सावित्री सिन्हा

अनुसंधान की प्रक्रिया - सं डॉ. श्रीमती सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक

अनुसंधान के मूल त्तव - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र शोध प्रविधि - डॉ विनयमोहन शर्मा शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका - डॉ सरनाम सिंह शर्मा

अनुसंधान का विवेचन - डॉ उदयभानु सिंह

साहित्यिक शोध के सिद्धांत और समस्याएँ – डॉ देवराज उपाध्याय एवं डॉ. रामगोपाल शर्मा

शोध प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ चंद्रभान रावत डॉ रामकुमार खंडेलवाल

अनुसंधान - डॉ सत्येन्द्र

शोध त्तव और दृष्टि - सं. डॉ रामेश्वरलाल खंडेलवाल

संभावना(शोध विशेषांक) - हिन्दी विभाण, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा प्रकाशित

हिन्दी अनुसंधान का स्वरुप - सं. म.ह. राजूरकर, राजमल बोरा

अनुसंधान का व्यवहारिक स्वरुप - डॉ. उर्वशी सूरती हिन्दी शोध – तंत्र की रुपरेखा - मनमोहन सहगल तुलनात्मक अनुसंधान की समस्याएँ - डॉ गुलाम रसूल अनुसंधान के विविध आयाम - डॉ रवीन्द्र कुमार जैन

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया - डॉ शाशिभूषण सिंहल

विकल्प-(क) मध्यकालीन साहित्य और चिंतन

Medieval Literature and Philosophy

Course Code, HIN - 603

_	~		CC	C	•	\sim	•	ث
1	मध्ययुग में	भारत का	आाथक.	सामाजिक	मास्ट	हातक	सरचन	गए
		*****	~ 1 1 1 - 1 1 1 9	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	````	••••	\ , , , - ,	•••

- (i) मध्यकाल का सामाजिक-आधार
- (ii) भक्ति आंदोलन के प्रेरणास्रोत और विकास की दिशाएँ

2. मध्यकालीन दार्शनिक विचारधाराएँ

- (i) बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, लोकायत
- (ii) नाथों-सिद्धों की विचारधाराएँ
- (iii) अद्वैतवाद के प्रति विद्रोह
- (iv) द्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद, शुद्ध द्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद

3. भक्तिकाल: सूफी दर्शन संबंधी विमर्श

- (i) भक्ति की ज्ञान मीमांसा
- (ii) भक्ती काव्य में परंपराओं के प्रति चिंतन के नए रुप (लोक और शास्त्र की टकराहट)
- (iii) भक्ति-साहित्य : दलित स्वर की अभिव्यक्ति
- (iv) भक्ति काव्य, भक्तिशास्त्र

4. रीतिकाल संबंधी विमर्श

- (i) रीति शब्द की अवधारणा और व्याख्या
- (ii) रीतिकाल की ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्टभूमि और दरबारी काव्य परंपरा
- (iii) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य चिन्तन का आधार

5. रीतिकालीन काव्य का समाजशास्त्र

- (i) सामंतीय संस्कृति एवं जीवन-दृष्टि
- (ii) नायक-नयिका भेद की परंपरा
- (iii) रीतिकाल के कवि और आचार्य
- (iv) रीतिकालीन काव्यशास्त्र : परंपरा और विमर्श
- (v) रीतिकालीन श्रृंगार भावना
- (vi) रीतिकाव्य पर पुनर्विचार

विकल्प -(ख) आधुनिक साहित्य और चिन्तन

Modern Literature and Philosophy

Course Code, HIN - 604

		\sim	\sim
1	आधुनिककाल	िका पा	यभाम
т.	जासुन करायरा	11/1 16	~ (I) (I

- (i) आधुनिकता की आवधारण : आधुनिक, आधुनिक बोध और आधुनिकीकरण
- 2. नवजागरण और विकास की अवधारणाएँ
 - (i) फ्रांसीसी राज्यक्रांति और नवजागरण
 - (ii) ज्ञानोदय आधुनिकता, पुनरुत्थान/ पुनर्जागरण/नवजागरण, अभिजात्यवाद,
 - (iii) एशिमा में नवजागरण
 - (iv) आधुनिक भारतीय नवजागरण
 - (v) नवजागरण और 1857 की क्रांति
 - (vi) स्वाधीनता संग्राम में चेतना और मुक्ति से जुड़े प्रश्न
- 3. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद
 - (i) भारत का उपनिवेशीकरण
 - (ii) उपनिवेशवाद-विरोध संघर्ष
 - (iii) राष्ट्रीय चेतना का निर्माण और पश्चिमी साम्राज्यवाद
 - (iv) लोकजागरण और जन आंदोलन
- 4. अन्य आधुनिक अवधारणाएँ
 - (i) राष्ट्रवाद : राष्ट्र-राज्य-संदर्भ
 - (ii) लोकतंत्र और फासीवाद
 - (iii) राष्ट्रीयता और देशभक्ति
 - (iv) उपनिवेशों में राष्ट्रीयता और देशी संदर्भ
 - (v) साम्यवाद और समाजवाद
 - (vi) प्राच्यवाद
 - (vii) उत्तर-उपनिवेशवीद, उसके विविध रुप और संदर्भ
 - (viii) नव सांस्कृतिक साम्राज्यवाद और उत्तर-औद्योगिक समाज
 - (ix) भूमंडलीकरण और तीसरी दुनिया के देश
 - (x) विविध आधुनिकताओं की अवधारणा
 - (xi) यौन वृत्तियां संबंधी विमर्श